आज का पुरुषार्थ, 15 May 2022

From: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" अपने vibrations से जग को हरा-भरा करना है तो बेहद की वैराग्य वृत्ति को अपनायें "*

हमें अपनी सम्पूर्ण स्थिति को प्राप्त करने के लिए और **बाप समान** बनने के लिए बेहद की **वैराग्य** वृत्ति की परम आवश्यकता होती है।

बेहद का वैराग्य अर्थात अपने लिए कुछ भी use न करने की इच्छा। **मन कही भी आसक्त न हो।** चारों ओर से निकला हुआ हो।

जैसे इस संसार से लंगर उठा हुआ है। जैसे कि यह संसार तो हमारे लिए बना ही नहीं है।

वैराग्य हमारे जीवन को सुखा न बना दे। बल्कि **हरा-भरा** करे, सब ईश्वरीय रसों से **भरपूर** करे।

ब्रह्मा बाबा ने अपने लिए कुछ भी यूज़ नहीं किया। मकान बने, बाबा कहते थे .. " **नये मकान बच्चों के लिए है** "

तो जैसे बाबा ने बेहद की वैराग्य के द्वारा **बाप समान स्थिति** को प्राप्त किया। हम भी बेहद का वैराग्य धारण करे।

यदि हम ऐसा नहीं कर पाते है तो समय ऐसा आयेगा, जो हमसे सबकुछ छुड़ायेगा। हमें वैराग्य दिलायेगा। लेकिन तब समय हमारा शिक्षक बनेगा।

परन्तु उससे हमें **ईश्वरीय सुखों की अनुभूति** नहीं मिलेगी। हम सम्पूर्ण तो बन जायेंगे, लेकिन सम्पूर्ण बनने की यात्रा का सुख नहीं ले पायेंगे।

यह बहुत सुन्दर यात्रा है। सुखों से भरी है। ईश्वरीय आनन्दों से भरी हुई है। इसका सुख लेना भी परम आवश्यक है।

तो अपने मन में सुन्दर सुन्दर संकल्प करे ...

" मुझे क्या करना है और क्या नहीं करना है "

क्या हम उस बाबा की इच्छाओं को पूर्ण नहीं करेंगे जो जन्म जन्म हमारी इच्छा पूर्ण करता आया है? या हम छोटी-छोटी इच्छाओं को पूर्ण करने में ही लगे रहेंगे?

तो जिन्हें महान बनना है ... जिनके ओर सारा संसार प्यासी नजरों से देख रहा है ... वह सभी महान आत्मायें जो अपने को रियेलाइज करते है ... बेहद की वैराग्य को अपने जीवन में नेचुरल रूप से धारण कर ले।

कहीं भी हमारा लगाव झुकाव न हो। यह खेल पूरा हो रहा है। अब देखते हुए भी कुछ नहीं देखना है।

यह पाप की दुनिया, यह गंदी दुनिया, यह विकारों से भरपूर दुनिया है। जहाँ काम की आग जल रही है। जहाँ बच्चे बच्चे जल रहे है।

ऐसी दुनिया को पावन बनाने का महान कार्य हमारे जिम्मेदारी है। तो हम कहीं भी अटकेंगे नहीं। और महान वायब्रेशन्स बाबा से लेकर संसार को प्योरीटी की, शक्ति की सकाश देंगे।

यदि हमने बेहद का वैराग्य धारण नहीं किया तो सकाश देने की सेवा नहीं कर पायेंगे।

जहाँ हमारा लगाव है, जहाँ हम बंधे हुए है हमारा वायब्रेशन्स केवल वही पर जाकर रूक जायेगी। हम सदा योगयुक्त भी नहीं रह पायेंगे।

हमें नहीं भूलना है कि हमारा जन्म ही **महान कार्य के लिए हुआ है।** दुनिया में गंदगी बढ़ती जा रही है। समस्याएं बढ़ती जा रही है।

लेकिन हमें **सकाश** देकर अपनी वंशावली को मदद करनी है। तो आज सारा दिन ...

अपने को चेक भी करेंगे कि ...

" हम कही आसक्त तो नहीं है ? कोई हद की इच्छायें हमारी बुद्धि को अपने ओर आकर्षित तो नहीं करती है? "

हम बाबा से योग लगाकर संसार में प्योरीटी के वायब्रेशन्स फैलायेंगे। तो आज सारा दिन अभ्यास करेंगे ...

" मैं पवित्रता का सूर्य हूँ .. प्रकृति का मालिक हूँ .. बाबा से सफेद रंग की पवित्र किरणें मुझमें समाकर चारों ओर फैल रही है .. और इस दुनिया को पावन कर रही है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org